Mahavir Mandir Patna

Mahavir Cancer Sansthan, Patna

(Run by Sri Mahavir Sthan Nyas Samiti)

महावीर कैंसर संस्थान, पटना – गरीब कैंसर मरीजों की आस्था का केन्द्र

डॉ० एल० बी० सिंह
चिकित्सा अधीक्षक

पटना जंक्षन के मुख्यद्वार पर अवस्थित ऐतिहासिक **"महावीर मन्दिर"** पूर्वी भारत का एक महत्वपूर्ण मन्दिर है। विगत अनेक वर्षो से यह मन्दिर विभिन्न आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यो में संलग्न रहा है। अपने विभिन्न जनोपयोगी कार्यक्रमों के द्वारा यह मन्दिर समाज के सभी वर्गो की पीड़ा और कठिनाइयों को दूर करने के लिये सक्रिय है। **महावीर मन्दिर** प्रबंधन समिति द्वारा जनता के लाभार्थ पांच अस्पताल कार्यरत हैं जिसमें से पटना के फुलवारीषरीफ अवस्थित **महावोर कैंसर संस्थान एवं शोध केन्द्र** भारत का एक महत्वपूर्ण एवं आधुनिक कैंसर अस्पताल है। **गरीबों एवं जरूरतमंद** लोगों की कठिनाइयों को देखते हुए इस संस्थान की स्थापना जनसेवा की भावना से समर्पित एवं दूरदर्षी श्री महावीर स्थान न्यास समिति के **सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी** ने की। महावीर कैंसर संस्थान एवं शोध केन्द्र कैंसर रोगियों को मानवीय संवेदनाओं से प्रेरित होकर कैंसर रोग की आधुनिकतम पद्धति से उपचार प्रदान करता है। यह **बिहार में कैंसर का एकमात्र Super Speciality Hospital है।**

महावीर कैंसर संस्थान एवं शोध केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में एक ऐसे कैंसर संस्थान की स्थापना करना था, जहाँ, धर्म, जाति, गरीब–अमीर, ऊँच–नीच एवं रंग के बिना कैंसर रोगियों को आधुनिकतम चिकित्सा एवं उपचार सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाये। पूर्वोत्तर भारत की यह गौरवशाली संस्थान आज बिहार में ही नहीं अपितु विदेशों में भी एक समुन्नत एवं सम्पूर्ण कैंसर चिकित्सा के लिये सुविख्यात हो गया है। यहां कैंसर की सम्पूर्ण चिकित्सा एक छत के नीचे होती है। पूर्वोत्तर भारत का यह एकमात्र कैंसर संस्थान है जहां बिहार के अलावे बिहार के पड़ासी राज्यों और पड़ोसी देशों (नेपाल और बंगलादेश) से भी कैंसर मरीज यहां इलाज कराने आते हैं। आज टाटा मेमोरियल अस्पताल मुम्बई के बाद सर्वाधिक कैंसर रोगियों की चिकित्सा करने में दूसरे नम्बर पर इस अस्पताल का नाम आता है।

<u>महावीर कैंसर संस्थान एवं शाध केन्द्र के प्रमुख विभाग</u> :

मेडिकल ऑन्कोलॉजी (Medical Oncology) एवं बोन मैरो ट्रान्सप्लांट यूनिट

रक्त से सम्बन्धित कैंसर व अन्य कैंसर की गांठ वाले रोगियों को डे–केयर वार्ड में कीमोथिरैपी देने की सुविधा उपलब्ध है। कीमोथिरैपी देने के लिये इस विभाग के चिकित्सक एवं नर्सिग कर्मचारी विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं। कैंसर रोगियों को कीमोथिरैपी चिकित्सा विश्वस्तरीय प्रोटोकॉल के तहत दी जाती है।

संस्थान का मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग व्यस्ततम विभागों में से एक है। प्रतिदिन 300 से अधिक मरीजों को अस्पताल में कीमाथिरैपी दी जाती है। यह संख्या देश के टी.एम.एच. अस्पताल के समकक्ष ही है।

मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष के सहयोग से आधुनिक बोन मैरो ट्रान्सप्लांट यूनिट का निर्माण 'बी' ब्लॉक के 6$^{वे}$ तल्ले पर किया गया है। जहां सबसे पहला बोन मैरो ट्रांन्सप्लांट सफलतापूर्वक मुंगेर जिला के कल्याणपुर, बरियारपुर गाँव के अर्जुन मंडल, 58 वर्ष, मल्टिपल माईलोमा (ब्लड कैंसर) से पीड़ित थे, किया गया। देश के प्रसिद्ध बी.एम.टी विशेषज्ञों के द्वारा संस्थान में नियमित बी.एम.टी होता है; बी.एम.टी के लिए मरीजों को बिहार से बाहर जाना पड़ता था, पर अब महावीर कैंसर संस्थान में बहुत ही सस्ते में सफलतापूर्वक बी.एम.टी किया जाता है।

बोन मैरो ट्रान्सप्लांट के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से बिहार सरकार द्वारा 5 लाख रूपये की अनुदान राशि भी मिलती है।

शल्य चिकित्सा विभाग (Surgical Oncology)

शल्य क्रिया के लिये संस्थान में ग्यारह (11) वातानुकूलित अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर हैं, जहां देश के प्रसिद्ध सर्जनों द्वारा ऑपरेशन की जाती है। जिसकी तारीफ यूरोप और अमेरिका के सर्जनों ने भी की है। इनके अतिरिक्त एक इण्डोस्कोपी थियेटर भी है। इस संस्थान में कैंसर रोग से संबंधित लगभग सभी प्रकार के जटिल ऑपरेशन किये जाते हैं। ऑपरेशन के बाद मरीज को गहन चिकित्सा इकाई एवं पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में विशिष्ट देखभाल के लिये रखा जाता है।

विकिरण चिकित्सा विभाग (Radiation Oncology)

संस्थान का रेडियाथिरैपी विभाग भी व्यस्ततम विभागों में से एक है। इस विभाग में तीन हाई–एनर्जी लीनियर एक्सीलिरेटर मशीन, एक कोबाल्ट मशीन और एक हाईडोज ब्रेकीथिरैपी यूनिट भी कार्यरत है। यहां प्रतिदिन 300 से 400 मरीजों का इलाज किया जाता है।

पहला लीनियर एक्सीलिरेटर मशीन में अत्याधुनिक तरीके से मस्तिष्क के जांच के लिए बिहार सरकार द्वारा अनुदान दिया गया था तथा दूसरा एवं तीसरा लीनियर एक्सीलिरेटर मशीन मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा खरीदकर मरीजों की सेवा में समर्पित है।

कम्प्यूट्रीकृत ट्रीटमेंट प्लानिंग व्यवस्था के साथ पूर्ण सुसज्जित मोल्ड रूम की व्यवस्था है। साथ ही हाईपरथर्मिक मेडिसीन की भी सुविधा उपलब्ध है। विकिरण के दुष्प्रभावों को न्यूनतम रखते हुए उपचार किया जाता है।

रेडियोडॉयग्नोसिस (Radio Diagnosis)

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इस विभाग का पूर्ण डिजीटलीकरण किया हुआ है। इस विभाग में स्पाईरल सी.टी. स्केन, कलर डॉपलर, सोनोग्राफी, मैमोग्राफी, ओ.पी.जी., 500 ड।ट एक्सरे, सी.टी. गाइडेड एफ.एन.ए.सी. एवं सोनो गाइडेड एफ.एन.ए.सी. की सुविधाएं उपलब्ध है।

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के लिए आधुनिक कैथ लब का भी निर्माण हो चुका है। सभी प्रकार की इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी द्वारा कठिन कैंसरों की जाँच एवं इलाज होती है, जो सुविधा बहुत ही कम अस्पताल में उपलब्ध है।

इस विभाग में सी.–ए.आर.एम. यूनिट उपलब्ध हो गया है। इससे मरीजों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध की जा रही है। यह सुविधा भारत भर में गिनेचुने अस्पतालों में ही उपलब्ध है।

पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी

कैंसर रोग से संबंधित विशिष्ट जांचें जैसे ट्यूमर मार्कर, इम्युनोहिस्टोकेमेस्ट्री, साईटोकैमेस्ट्री के साथ–साथ अन्य समस्त परीक्षण जैसे हिस्टोपैथोलॉजी, साईटोपैथोलॉजी, बायोकैमेस्ट्री एवं माईक्रोबायोलॉजी परीक्षणों की सुविधा आधुनिक उपकरण एवं मशीनों द्वारा उपलब्ध है।

यहां फ्रोजेन सेक्शन द्वारा रिपोर्टिंग भी शुरू कर दी गयी है, जिससे सर्जरी के दौरान ही ट्यूमर की जांच हो जाती है।

न्युक्लियर मेडिसीन

PET CT SCAN मशीन "मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष" से लगाया गया है। पूरे शरीर की यह जांच सिर्फ 12000 रू० में उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष के सहयोग से गामा–कैमरा की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे बोन स्कैन, थायरायड स्कैन, लीवर, किडनी के विभिन्न न्युक्लियर इमेजिंग लगातार हो रहा है। थायरायड कैंसर मरीजों के लिए दो विस्तरों वाला हाईडोज रेडियो आयोडीनथिरैपी संभव है।

दन्त चिकित्सा विभाग

संस्थान में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक दन्त चिकित्सा विभाग है। जहां रोगियों को आवश्यक डेन्टल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

चर्मरोग एवं गुप्तरोग विभाग

संस्थान में चर्मरोग एवं गुप्तरोग विभाग भी कार्यरत है जहां अत्याधुनिक इलाज किया जाता है। विभाग में अब स्कीन बायोप्सी भी की जाती है। जो घाव भड़नेवाले नहीं होते हैं और अल्सर का रूप ले लेता है उसको **Autologus PRF** भी की जाती है।

आई.सी.यू. एवं सी.सी.यू.

संस्थान में अत्याधुनिक उपकरणों से लैस आई.सी.यू. कार्यरत है। जहां मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान की जाती है। अभी–अभी 30 बेड का एक नया अत्याधुनिक आई.सी.यु. संस्थान के 'बी' ब्लॉक में कार्य कर रहा है जिससे गंभीर मरीजों के इलाज में काफी सुविधा मिल रही है। 24 घंटे कुशल चिकित्सकों एवं पारामेडिकल टीम मरीजों की सेवा में लगी रहती है। इससे पहले पुराने आई.सी.यु में 12 बड़े एवं एच.डी.यु. में गंभीर मरीजों के लिए चिकित्सा उपलब्ध है।

ब्लड बैंक

संस्थान में अत्याधुनिक ब्लड–बैंक है जो सेल्स–सेपरेटर मशीन से लैस है जहां प्लेटलेट भी तैयार किया जाता है जिसका कैंसर के इलाज में अत्याधिक महत्व है। रक्त की आपूर्ति के लिये विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। रक्तदान शिविरों के आयोजन हतु विशेष रूप से तैयार वातानुकूलित मोबाईल वैन है जिसमें रक्तदान एवं संग्रहण की पूरी व्यवस्था है। ब्लड बैंक अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है जिनके द्वारा रक्त के विभिन्न घटकों को अलग कर रोगी को आवश्यकतानुसार दिये जाते हैं। इस संस्थान में इलाज करा रहे कैंसर मरीजों को सिर्फ 100 रू० में रक्त दी जाती है, जो कि देश में सबसे कम है। पाँच विस्तरों वाला एक और ब्लड डोनेशन बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे कि दूर, दराज के इलाकों में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाने में सुविधा हो सके।

संस्थान के ब्लड बैंक में **Automatic Cell Separator (Apheresis Machine)** की अत्यंत आवश्यकता थी जो उपलब्ध हो गया है। अब आवश्यकतानुसार मरीजों का विभिन्न प्रकार के सेल्स मुहैय्या किये जा रहे हैं।

कोरोना वायरस **(COVID – 19)** मरीजों के लिए प्लाज्मा बैंक की स्थापना की गयी है।

डी.एन.बी. एवं सर्टिफिकेशन कोर्स

भारत सरकार नेशनल बोर्ड से मान्यता प्राप्त यहां डी.एन.बी. की पढ़ाई भी होती है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियेशन ऑन्कोलॉजी में डी.एन.बी. पाठ्यक्रम उपलब्ध है तथा डी.एन.बी. गायनी ऑन्कोलॉजी एवं फेलोशिप इन हेड एण्ड नेक ऑन्कोलॉजी की भो पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए मान्यता मिल चुकी है। इतना ही नहीं इस संस्थान से कई तरह का सर्टिफिकेशन कोर्स भी चलाया जा रहा है। जिसे विभिन्न यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यता प्राप्त है, जिसमें आर्यभट्ट विश्वविद्यालय से सम्बधता प्रमुख है। वर्तमान में डी.एन.बी. कोर्स में 13 और रेडियोथिरैपी विभाग में 20 छात्र डी.आर.टी. कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

कैंसर रजिस्ट्री

महावीर कैंसर संस्थान एवं शोध केन्द्र, एन.सी.आर.पी. से पिछले एक दशक से जुड़ा हुआ है। इसका योगदान देश के कैंसर रजिस्ट्री के लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं।

शोध विभाग

संस्थान का शोध–विभाग का ICMR भारत सरकार और बिहार सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग से मान्यता प्राप्त है।

कैंसर प्रिवेन्शन एण्ड कंट्रोल विभाग (Dept. of Preventive Oncology)

कैंसर मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए संस्थान में एक कैंसर प्रिवेन्शन एण्ड कंट्रोल विभाग भी कार्यरत है। इस विभाग द्वारा किये गये कार्य, कैंसर के प्रति जागरूकता एवं प्रारम्भिक अवस्था में ही कैंसर रोग की जांच, कैंसर रोगों की रोकथाम एवं उपचार में सहायक हैं।

कैंसर जागरूकता अभियान एवं कैंसर जाँच शिविर : महावीर कैंसर संस्थान द्वारा इण्डियन कैंसर सोसायटी के सहयोग से पटना जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर स्क्रीनिंग कैम्पों की आयोजन की जा रही है। अभी तक 40 कैम्प हो चुके हैं और आगे भी कैम्प चलता रहेगा।

लाइब्रेरी

संस्थान में एक लाइब्रेरी है जो मेडिकल से संबंधित किताबों एवं पत्रिकाओं से लैस है।

रजिस्ट्रेशन

मरीजों का निबंधन सिर्फ 5 रूपया में होता है और सिर्फ एक बार ही निबंधन कराना पड़ता है।

धर्मशाला

संस्थान में इलाज कराने आये राज्य के गरीब एवं अल्प–आय के लोगों के लिये संस्थान ने

80 कमरे का सारे सुविधाओं से लैस एक धर्मशाला है जो संस्थान से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर है। जहां नाम मात्र का शुल्क लेकर कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों को कमरा दिया जाता है। मरीजों की भीड़ को देखते हुए **MP LAD Fund** से दूसरे धर्मशाला का काम पूरा हो जाने के बाद, 11 कमरे अब मरीजों के लिए उपलब्ध कर दिये गये हैं। धर्मशाला परिसर में मरीजों के रहने के लिए शेड की व्यवस्था की गई है, जहाँ सारी सुविधाऐं निःशुल्क उपलब्ध है।

फार्मेसी

कैंसर रोग से संबंधित सभी प्रकार की दवाइयाँ संस्थान परिसर में स्थित फार्मेसी पर एम. आर.पी. से भी काफी कम दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है।

कैंटीन

संस्थान परिसर में ही मरीज एवं उनके परिजनों के लिये कैंटीन की सुविधा उपलब्ध हैं। संस्थान में भर्ती मरीजों को नास्ता, दिन का खाना एवं रात का खाना मुफ्त में दिया जाता है। मरीजों के साथी को 30 रूपये में भोजन कराने का प्रावधान है।

एम्बुलेंस एवं बस

यहां 24 घण्टे ऐम्बुलेन्स सेवा उपलब्ध है। कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों के लिये बस की सुविधा बाजार से कम मूल्य पर उपलब्ध कराई गयी है जो पटना जंक्शन (महावीर मंदिर) से महावीर कैंसर संस्थान और महावीर कैंसर संस्थान से पटना जंक्शन सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक फेरे लगाती रहती है। एम्बुलेंस से काफी सस्ते दरों पर मरीजों को राज्य के विभिन्न हिस्सों में भेजने का प्रावधान है।

अंतिम यात्रा वाहन : महावीर मन्दिर द्वारा अंतिम यात्रा वाहन की व्यवस्था की गई है। मृतकों को पटना में मुफ्त पहुँचाया जाता है एवं बिहार के अन्य हिस्सों में काफी कम दर पर भेजी जाती है।

अनुबंधित संस्थाएं

कैंसर चिकित्सा के लिए 20 महत्वपूर्ण सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाए अनुबंधित है एवं इनसे संबंधित कर्मचारी यहां मुफ्त इलाज करवाकर लाभान्वित हो रहे हैं।